क़ुबूलियत दुआ का मोक़ा

हज़रत उबादा बिन सामित رضي الله عنه से रिवायत है कि रसूल अल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:रात के वक़्त जिसकी आँख खुल जाए और वो जागने पर ये कलिमात कहे:

لَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَاشَرِيْکَ لَهٗ ،لَهُ الْمُلْکُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَىءٍ قَدِيْرٌ،اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ

وَسُبْحَانَ اللّٰهِ وَلَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَ اللّٰهُ اَكْبَرُ وَلَاحَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ

फिर ये दुआ पढ़े اَللّٰهُمَّ اغْفِرْلِى फिर कोई दुआ करे तो दुआ क़ुबूल होती है और अगर वो वुज़ू करे और नमाज़ पढ़े तो उसकी नमाज़ मक़बूल होगी. (صحيح البخارى:1154)

لَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَاشَرِيْکَ لَهٗ ،لَهُ الْمُلْکُ وَلَهُ الْحَمْدُ
وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَىءٍ قَدِيْرٌ ، اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ وَ سُبْحَانَ اللّٰهِ
وَلَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَ اللّٰهُ اَكْبَرُ وَلَاحَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ.
اَللّٰهُمَّ اغْفِرْلِى

अल्लाह के सिवा कोई माअबूद बरहक़ नहीं,वो अकेला है उसका कोई शरीक नहीं,उसी की बादशाहत है,उसी के लिए तमाम तारीफ़ है और वो हर चीज़ पर क़ादिर है - सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है और अल्लाह ताला हर ऐब से पाक है. अल्लाह के सिवा कोई माअबूद बरहक़ नहीं,अल्लाह ताला बहुत बड़ा है और अल्लाह की तौफ़ीक़ के बग़ैर गुनाह छोड़ने की ताक़त और नेकी करने की क़ुव्वत नहीं है. ऐ अल्लाह मुझे बख़्शदे!

AL-HUDA International Welfare Foundation

Post Box Number 444, Basavanagudi Bangalore 560004 ,India

Landline: +918040924255. | Mobile phone: +91-9535612224

official email: alhuda.india@gmail.com

www.farhathashmi.com www.alhudapk.com

AL-HUDA Publications (Pvt) Ltd.